

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- उधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

सरस्वती शिशु मंदिर पंतनगर में विकास कार्यों का लोकार्पण

पंतनगर, 20 सितंबर 2026। सरस्वती शिशु मंदिर, पंतनगर में नवनिर्मित विज्ञान प्रयोगशाला, शिशु वाटिका प्रांगण एवं भूतल बरामदे के नवीनीकरण का भव्य लोकार्पण समारोह हर्षोल्लास एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर के कुलपति प्रो. शिवेंद्र कुमार कश्यप की धर्मपत्नी श्रीमती रेनू कश्यप मुख्य अतिथि रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि महाविद्यालय, पंतनगर की सहायक प्राध्यापक डा. विनीता राठौर ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। मुख्य अतिथि श्रीमती रेनू कश्यप ने विद्यालय की विकास यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर शिक्षा के साथ संस्कार एवं विज्ञान का समन्वय कर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित विज्ञान प्रयोगशाला विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक एवं प्रायोगिक ज्ञान प्रदान करने में सहायक होगी। उन्होंने शिशु वाटिका के नवीनीकरण को छोटे बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में सराहनीय पहल बताया।

कार्यक्रम की अध्यक्ष डा. विनीता राठौर ने विद्यालय की शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि वर्ष 1998 में स्थापित यह विद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई विज्ञान प्रयोगशाला विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं जिज्ञासा विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विज्ञान के विभिन्न कार्यशील मॉडलों एवं प्रयोगों का प्रदर्शन किया तथा नन्हे-मुन्हे बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। अतिथियों ने नवनिर्मित एवं नवीनीकृत परिसर का अवलोकन कर विद्यार्थियों के वैज्ञानिक मॉडलों की सराहना की।

समारोह में विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य, महिला क्लब पंतनगर की सदस्याएं, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अभिभावक एवं अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आचार्या श्रीमती भावना मिश्रा एवं श्रीमती सुनेहा ने किया। अंत में प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष श्री ईश्वर पाल सिंह चौहान ने आभार व्यक्त किया।

